प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर द्वारा रोजगार हेतु मौनपालन प्रशिक्षण का आयोजन

पंतनगर। 02 मई, 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय की प्रशिक्षण इकाई द्वारा आज से रोजगारपरक मौनपालन प्रशिक्षण आरम्भ किया गया, जिसका उद्घाटन निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. पी.एन. सिंह, द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए डा. सिंह ने कहा कि मौनपालन एक अत्यधिक लाभकारी रोजगार है, जिसको कम लागत में भी किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कृषक खेती के साथ-साथ कृषि विविधीकरण को अपना कर अपनी आय में वृद्धि कर सकता है। किसानों की कृषि से संबंधित समस्याओं के समाधान में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा सहयोग किया जायेगा। डा. एस.के. बंसल, प्राध्यापक प्रसार शिक्षा एवं प्रभारी अधिकारी प्रशिक्षण प्रकोष्ठ, ने कहा कि खेती के साथ मौनपालन अपने आप में दोहरे लाभ देने वाला रोजगार है। इससे मधु के साथ-साथ मोम का उत्पाद भी किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त पर-परागण के द्वारा फसलों का उत्पादन भी बढ़ता है। विभागाध्यक्ष कीट विज्ञान विभाग, डा. प्रमोद मल्ल, ने प्रशिक्षणार्थियों को मौनपालन के महत्व एवं भविष्य में इसके विकास की सम्भावनाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड के पहाड़ी इलाकों से उत्पन्न मधु एक अमृत तुल्य औषधि है, जिसका उत्पाद बढ़ने की भविष्य में बहुत सम्भावनायें हैं। इस प्रशिक्षण में २५ किसान, कृषक महिला एवं बेरोजगार युवा प्रतिभाग कर रहें है, जो उत्तराखण्ड के ऊधमसिंह नगर, नैनीताल, पौड़ी गढवाल एवं देहरादून जनपदों से हैं। उद्घाटन सत्र का संचालन श्रीमती धनसरा शर्मा द्वारा किया गया।

प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में प्रतिभागियों को संबोधित करते निदेशक संचार एवं प्रभारी अधिकारी प्रशिक्षण प्रकोष्ठ, डा. एस.के. बंसल; साथ में निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. पी.एन. सिंह एवं विभागाध्यक्ष, डा. प्रमोद मल्ल।